भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

राज्यसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2490

13.03.2026 को उत्तर के लिए नियत

ओडिशा में पूंजीगत वस्तुओं का परीक्षण और अनुसंधान अवसंरचना

2490. श्री शुभाशीष खुंटियाः

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने भारतीय केपिटल गुड्स सेक्टर में प्रतिस्पर्धात्मकता वृद्धि संबंधी स्कीम-चरण ॥ के तहत साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र (सीईएफसी) और परीक्षण एवं प्रमाणीकरण केंद्रों के क्षेत्रीय वितरण, विशेष रूप से पूर्वी भारत के लिए, की समीक्षा की है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी क्या निष्कर्ष हैं और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या ओडिशा में भारी इंजीनियरिंग और खनन मशीनरी के लिए कोई विशेषीकृत अनुसंधान, परीक्षण या प्रमाणीकरण केंद्र अनुमोदित किया गया है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या मंत्रालय डाउनस्ट्रीम एमएसएमई का समर्थन करने के लिए ऐसा कोई केंद्र स्थापित करने की योजना बना रहा है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) (ख) और (ग): भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता वृद्धि संबंधी स्कीम-चरण-II एक अखिल भारतीय मांग-आधारित स्कीम है जिसके तहत परियोजना कार्यान्वयन संगठनों (पीआईओ) द्वारा देश के किसी भी संघ राज्य क्षेत्र/राज्य के उद्योग भागीदारों के सहयोग से प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाते हैं। इस स्कीम के तहत, ओडिशा से अभी तक कोई परियोजना प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। स्वीकृत परियोजनाओं का राज्यवार विवरण निम्नलिखित है:

उत्कृष्टता केंद्र :

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**राज्य**
1.	आईआईटी, रुड़की द्वारा उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना	उत्तराखंड

2.	आईआईटी, दिल्ली में उत्कृष्टता केन्द्र का विस्तार	दिल्ली
3.	आईआईएस, बेंगलुरू द्वारा उत्कृष्टता केन्द्र का विस्तार	कर्णाटक
4.	एआरएआई, पुणे में उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना	महाराष्ट्र
5.	आईआईटी बीएचयू, वाराणसी द्वारा उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई) की स्थापना	उत्तर प्रदेश
6.	सी'टार्क कोयंबटूर में उत्कृष्टता केन्द्र का विस्तार	तमिलनाडु
7.	एएमटीडीसी, आईआईटी मद्रास द्वारा मौजूदा उत्कृष्टता केन्द्र का विस्तार	तमिलनाडु

साझा इंजीनियरिंग सुविधा केंद्र:

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**राज्य**
1.	स्मार्ट फैक्ट्री, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएस), बेंगलुरु में सीईएफसी का विस्तार	कर्णाटक
2.	C4i4 द्वारा कॉमन इंजीनियरिंग फैसिलिटी सेंटर का विस्तार	महाराष्ट्र
3.	एआरएआई, पुणे में सीईएफसी की स्थापना	महाराष्ट्र
4.	बीएचईएल, त्रिची में सीईएफसी की स्थापना	तमिलनाडु

परीक्षण एवं प्रमाणन केन्द्र:

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**राज्य**
1.	एआरएआई में मौजूदा परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधा केंद्रों का विस्तार	महाराष्ट्र
2.	सीएमटीआई, बेंगलुरू में मौजूदा परीक्षण एवं प्रमाणन केंद्र का विस्तार	कर्णाटक
3.	बीएचईएल में मौजूदा परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधा केंद्र का विस्तार	मध्य प्रदेश /तेलंगाना
4.	(आईएएचटी), लुधियाना में मौजूदा परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधा केंद्र का विस्तार	पंजाब

5.	इंस्टीट्यूट ऑफ़ मशीन टूल्स टेक्नोलॉजी (आईएमटीटी), बटाला में परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधा केंद्र का विस्तार	
6.	फ्लूइड कंट्रोल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पालक्काड में परीक्षण एवं प्रमाणन सुविधा केंद्र का विस्तार	केरल

उद्योग त्वरक:

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**राज्य**
1.	एआरटीपीएआरके (आईआईएस), बेंगलुरू द्वारा उद्योग त्वरक (सीएएमआरएएस) की स्थापना	कर्णाटक
2.	(एफएसआईडी), (आईआईएस), बेंगलुरू द्वारा उद्योग त्वरक (एसएएमआरआईडीएचआई) की स्थापना	
3.	सीएमटीआई द्वारा उद्योग त्वरक की स्थापना	
4.	एआरएआई, पुणे में उद्योग त्वरक की स्थापना	महाराष्ट्र
5.	आईआईटी, मद्रास द्वारा उद्योग त्वरक की स्थापना	तमिलनाडु
6.	शास्त्र यूनिवर्सिटी, तंजावुर द्वारा उद्योग त्वरक की स्थापना	
7.	पीएसजी कॉलेज ऑफ़ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर द्वारा उद्योग त्वरक की स्थापना	
8.	इंडियन स्कूल ऑफ़ बिज़नेस द्वारा उद्योग त्वरक की स्थापना	तेलंगाना
9.	आईआईटी, रुड़की में उद्योग त्वरक	उत्तराखंड

अर्हता पैकेज:

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**राज्य**
1.	ऑटोमोटिव सेक्टर के लिए एएसडीसी द्वारा 23 अर्हता पैकजों का विकास	दिल्ली
2.	(सीजीएससी), दिल्ली द्वारा 23 अर्हता पैकजों का विकास	
3.	इंस्ट्रूमेंटेशन, ऑटोमेशन, सर्विलांस और कम्युनिकेशन सेक्टर स्किल काउंसिल (आईएएससी एसएससी) द्वारा कौशल स्तर 6 और उससे ऊपर के लिए अर्हता पैकेज का सृजन	

***